प्रैक्टिस सेट–1

निर्देश (प्रश्न 1–4) : नीचे दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें।

कविता में भाषा प्रेषण का माध्यम और साधन है, अतः उसकी प्रक ति और प्रयोगों पर भी रिचर्ड्स ने गम्भीर विचार व्यक्त किये हैं। उन्होंने भाषा के दो रूप माने हैं–

(1) वैज्ञानिक और (2) रागात्मक

वैज्ञानिक के लिए वे कई अन्य पर्यायों का भी प्रयोग करते हैं। जैसे–प्रतीकात्मक, निर्देशात्मक, सूचनात्मक आदि। भाषा का यह द्विविध भेद ऑग्ड़ेन के सह–लेखकत्व में लिखित 'दि मीनिंग ऑफ मीनिंग' नामक पुस्तक में पहली बार सामने आया। वहाँ Scientific के बदले Symbolic शब्द प्रयुक्त हुआ है।

वैज्ञानिक भाषा में निरूपण, संसूचन तथा निर्देशन अभिमत होता है जबकि रागात्मक भाषा में भाव का उद्‌बोधन। अतः एक में भाषा सीधी, सपाट होती है, दूसरी में रमणीयता–संपन्न। भामह ने भी भाषा के दो भेद करते हुए वैज्ञानिक को 'वार्ता' तथा रागात्मक को 'वक्रता' कहा है। यदि तथ्य के निरूपण या निर्देशन में अंतर पड़ता है तो यह वैज्ञानिक भाषा की असफलता है क्योंकि वैज्ञानिक भाषा का लक्ष्य है तथ्य को यथावत प्रस्तुत करना, उसमें कुछ जोड़ना–घटाना या कल्पना से काम लेना उचित नहीं है। किंतु रागात्मक भाषा में तथ्य–विषयक बड़े से बड़े भेद या असंगति का भी विशेष महत्त्व नहीं है यदि उससे भाव उदबुद्ध हो रहा हो। तात्पर्य कि रागात्मक भाषा में तथ्य– अतथ्य का प्रश्न नितांत गौण है। असत्य होने पर भी यदि कोई उक्ति भाव जाग्रत करने में समर्थ है तो वह सफल कही जाएगी। वैज्ञानिक भाषा में प्रयोग की सफलता के लिए निर्देश सही भी होने चाहिए और उनका परस्पर संबंधन और संयोजन तर्क संगत ढंग से संबद्ध भी, रागात्मक भाषा में इनके बिना भी कोई हानि नहीं है।

'दि मीनिंग ऑफ मीनिंग' में रागात्मक भाषा के संबंध में रिचर्ड्स ने कहा है–

भाषा में रागात्मक तत्व की उत्पत्ति का पहला साधन शब्द–विन्यास है। शब्द साक्षात् ध्वनि के रूप में साथ ही 'साहचर्य' आदि अन्य गौण रूपों में भी भाव को जगाते हैं। शब्दों के ध्वनि गुणों का साक्षात् प्रभाव तो कम ही पड़ता है किन्तु लय और तुक से जो संचित और सम्मोहक प्रभाव उत्पन्न होता है, वह अधिक महत्त्वपूर्ण है। तात्पर्य कि शब्द–विन्यास, लय और तुक भाषा को रागात्मक बनाने के साधन हैं। परोक्ष साधनों में रिचर्ड्स बिम्ब– विधान, लक्षणा आदि का उल्लेख करते हैं।

''लय और उसका विशिष्ट रूप छंद आव त्ति और आकांक्षा पर निर्भर करते हैं। लय और छंद से संबद्ध सभी प्रभाव प्रत्याशा से उत्पन्न होते हैं। नियमतः यह प्रत्याशा अचेतन हुआ करती है।'' कविता के लिए रिचर्ड्स लय को अनिवार्य मानते हैं पर उनके अनुसार लय केवल ध्वनियों की व्यवस्था नहीं है, उसमें गंभीर भावनाएं और शब्दों के अर्थ भी नियोजित रहते हैं। उनके अनुसार– ''अक्षरों के अनुक्रम से जन्य आकांक्षाओं, संतुष्टियों, निराशाओं तथा विस्मयों का ग्रंथन लय है।'' इसका मतलब यह हुआ कि लय की स्थिति केवल ऊपरी धरातल पर ही नहीं रहती, उसका विकास मन और भाषा की गहराई में होता है। प्रत्येक शब्द के अनेक संभावित प्रभाव होते हैं जो उसके प्रयोग की स्थिति के अनुसार अलग–अलग होते हैं। लय का आधार है प्रत्याशा। संगीत तथा कविता में ध्वनि इस प्रकार नियोजित की जाती है कि मन आगे के कुछ खास अनुक्रमों के लिए तैयार हो जाता है। लय की उपरोक्त परिभाषा केवल काव्य पर ही लागू नहीं है, बल्कि चित्रकला, मूर्तिकला तथा वास्तुकला पर भी लागू है। छंद लय का ही एक विशिष्ट रूप है। रिचर्ड्स छंद को ''कालिक लयात्मक अनुक्रम का जटिलतर तथा विशिष्टतर रूप ''कहते हैं। छंद ऐसा साधन है जिसके द्वारा शब्द एक दूसरे को सर्वाधिक प्रभावित करते हैं। छंदयुक्त पाठ में आकांक्षा की संकीर्णता तथा निश्चितता बहुत बढ़ जाती है और यदि तुक का भी प्रयोग हो तो आकांक्षा सुनिश्चित–प्राय हो जाती है। छंद में लय अधिक नियमित होकर प्रकट होती है। उसके बंधे हुए नियम प्राचीन काल से चले आये हैं और लोग उन्हीं को मानदण्ड बनाकर कविता का मूल्यांकन करते हैं। पर यह यांत्रिक प्रयोग उचित नहीं। छंद में भाव–अर्थ आदि उतना ही महत्व रखते हैं जितनी ध्वनि।

रिचर्ड्स लय के समान छंद का भी अस्तित्व उद्दीपन में नहीं बल्कि हमारी अनुक्रिया में मानते हैं अर्थात् छंद शब्द में नहीं बल्कि हमारे मन में रहता है। लय और छंद को वस्तुगत न मानकर विषयगत मानना रिचर्ड्स की सौंदर्य–विषयक सामान्य धारणा के अनुरूप ही है। छंद की प्रत्येक चोट पर हमारे भीतर प्रत्याशाओं का एक प्रवाह घूमता है। पाठक की मनःस्थिति के अनुरूप शब्द की ध्वनि का प्रभाव पड़ता है। रिचर्ड्स छंद के विचार के संदर्भ में छंद शास्त्रियों द्वारा अक्षरों के तारतत्व संबंध के निरूपण की उपेक्षा को गंभीर त्रुटि मानते हैं। वह बल देकर कहते हैं कि लय या छंद को अक्षरों के ऐंद्रिय पक्ष का कार्य मानना असंगत है। तथा उनके अनुसार–''क त्रिमता की प्रतीतिमात्र से छंद सर्वोच्च कोटि की ऐसी मनोदशा उत्पन्न कर देता है जिसमें दैनिक जीवन की घटनाओं तथा असंगतियों से काव्यानुभूति अनायास विलग हो जाती है। ''फलतः काव्यानुभूति के उपयुक्त मानसिक एकाग्रता आ जाती है। छंद की गति का संबंध न त्य से माना गया है। न त्य की गति के आधार पर ही छंद की गति का निर्माण हुआ है, ऐसा एक मत है। रिचर्ड्स इस मत से सहमत हैं और न त्य तथा छंद के संबंध का समर्थन करते हैं। वे छंद से काव्य का घनिष्ठ संबंध मानते हैं। उनका उपसंहार वाक्य है– ''कठिनतम तथा कोमलतम उक्तियों के लिए छंद प्रायः अनिवार्य साधन हैं।''

आधुनिक पाश्चात्य मनिषियों में आई. ए. रिचर्ड्स का स्थान मूर्धन्य है। 20वीं शताब्दी में एक इलियट को छोड़कर यशस्विता में उनका कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है।

1. भाषा विज्ञान अध्ययन के लिए सामग्री कहां से ग्रहण करता है?
   (a) प्रचलित भाषा और सहित्य से
   (b) हिंदी ध्वनियों से
   (c) प्राचीन शिलालेखों से
   (d) भाषाओं से
2. प्राचीन भाषा विज्ञानी माना जाता हैः
   (a) श्रीहर्ष (b) पाणिनी
   (c) गोरखनाथ (d) भारवि
3. भाषा विज्ञान का विभाग नहीं हैः
   (a) पद विज्ञान
   (b) स्वानिम विज्ञान
   (c) पदार्थ विज्ञान
   (d) ध्वनि विज्ञान
4. भाषा विज्ञान से संबंधित पुस्तक हैः
   (a) अष्टाध्यायी (b) पद्मावत
   (c) कुवलयानन्द (d) साठ्य शास्त्र
5. हिंदी साहित्य सम्मेलन की स्थापना हुई थीः
   (a) 1923 ई. (b) 1922 ई.
   (c) 1928 ई. (d) 1901 ई.
6. रामसिंह कौन–सी सदी के कवि हैं?
   (a) 8वीं सदी (b) 9वीं सदी
   (c) 10वीं सदी (d) 11वीं सदी
7. विद्याधर किस शती के कवि हैं?
   (a) 8वीं सदी (b) 10वीं सदी
   (c) 12वीं सदी (d) 14वीं सदी
8. धनपाल की सदी हैः
   (a) 8वीं सदी (b) 10वीं सदी
   (c) 11वीं सदी (d) 12वीं सदी
9. गंगा जऊंना माझे बहइ रे नाई।
   ये पंक्ति किस कवि की है?
   (a) गोरखनाथ (b) सरहपा
   (c) कण्हपा (d) लुइपा
10. किसकी बानि के संग्रह की भाषा 'संधाभाषा' है?
   (a) जैनों की (b) नाथों की
   (c) सिद्धों की (d) वैष्णवों की
11. बंगला भाषा में रचित रामकथा का नाम हैः
   (a) भास्कर रामायण
   (b) रंग रामायण
   (c) कृत्तिवासी रामायण
   (d) अध्यात्म रामायण
12. कबरी की पत्नी का नाम थाः
   (a) नानकी (b) रेवली
   (c) कमला (d) रमई
13. तत्वदीप निबंध के रचनाकार हैंः
   (a) वल्लभाचार्य (b) सूरदास
   (c) नंददास (d) मलूकदास
14. इनमें से रामानंद का शिष्य कौन नहीं है?
   (a) कबीर (b) पीपा
   (c) सूरदास (d) धन्ना
15. निम्न में से कौन रामानंद का शिष्य है?
   (a) कबीर (b) तुलसी
   (c) मीरा (d) जायसी

16. सरहपा का समय कौन–सा है?
(a) 690 ई. (b) सं. 690
(c) 790 ई. (d) सं. 790

17. लुइपा का समय है:
(a) सन् 830 (b) सं. 830
(c) सन् 930 (d) सं. 930

18. 'आबा तरुअर पंच बिडाल' के रचयिता हैं:
(a) कण्हपा (b) शबरपा
(c) लुइपा (d) सरहपा

19. महासुखवाद किस शाखा के अंतर्गत है?
(a) नाथ (b) वैष्णव
(c) वज्रयान (d) महायान

20. गुह्य समाज की निर्मिति कहां से हुई?
(a) महायान से (b) सहजयान से
(c) हीनयान से (d) वज्रयान से

21. 'ऐलान गली जिंदा है' उपन्यास है:
(a) अम तलाल नागर (b) जयशंकर प्रसाद
(c) चन्द्रकांता (d) कृष्णा सोबती

22. 'हीरामन हाईस्कूल' के रचयिता हैं:
(a) कुसुम कुमार (b) दुष्यंत कुमार
(c) विवेकी राय (d) अम त राय

23. चाक के उपन्यासकार हैं:
(a) अम तलाल नागर (b) इलाचन्द्र जोशी
(c) मैत्रेयी पुष्पा (d) नासिरा शर्मा

24. 'मुझे चांद चाहिए' कृति के लेखक हैं:
(a) धीरेन्द्र वर्मा (b) धर्मवीर भारती
(c) सुरेन्द्र वर्मा (d) डा. श्याम

25. 'अग्नि बीज' के रचनाकार हैं:
(a) मार्कण्डेय (b) शिव प्रसाद सिंह
(c) जगदीश चन्द्र (d) अज्ञेय

26. निम्नलिखित में से काव्य के संबंध में कौन-सा कथन सबसे अधिक उपयुक्त है:
(a) काव्य रमणीय अर्थ का प्रतिपादन करता है
(b) काव्य रस-सम्पन्न होता है
(c) काव्य दोष रहित और कलापूर्ण होता है।
(d) काव्य उपयुक्त तीनों गुणों से युक्त होता है।

27. रीति को काव्य की आत्मा माननेवाले आचार्य कौन थे।
(a) केशवदास (b) वामन
(c) बाणभटट् (d) आचार्य विश्वनाथ

28. स्वच्छंदतावाद अंग्रेजी के किस शन्य का समानांतर है?
(a) रीयलिज्म (b) आइडियतिज्म
(c) रोमांटिसिज्म (d) एक्लप्रशेनिज्म

29. 'फैंटेली' का सामान्य अर्थ क्या है।
(a) यथार्थता (b) स्वच्छंदता
(c) मिथ्या कल्पना (d) आदर्श

30. किस शब्द शक्ति की प्रतीति सबसे पहले हुआ करती है?
(a) लक्षणा (b) व्यंजना
(c) अभिक्षा (d) वीभत्स

31. प्राकृत भाषा के प्रसिद्ध वैयाकरण कौन है :
(a) पाणिनी (b) पतंजलि
(c) हेमचंद्र (d) कौटिल्य

32. पुरानी हिदी किस भाषा का विकसित रूप है।
(a) अवहट्ट (b) पालि
(c) प्राकृत (d) संस्कृत

33. कौन-सा संप्रदाय बौद्ध धर्म से संबंधित नहीं है।
(a) महायान (b) नाथ संप्रदाय
(c) मन्त्रयान (d) सहजयान

34. किसकी गिनती चौरासी सिद्धों में नहीं की जाती है।
(a) कबीर (b) शांतिपा
(c) कण्हपा (d) सरहपा

35. नाथ संप्रदाय में आदिनाथ के रूप में किसकों मान्यता दी जाती है।
(a) कृष्ण (b) विष्णु
(c) शिव (d) राम

36. 'माधवानल–कामकंदला' के रचनाकार हैं:
(a) गणपति (b) कुशल लाभ
(c) आलम (d) तीनों ने

37. 'रत्नशेखर कथा' पर आधारित ग्रंथ कौन-सा है?
(a) पद्मावत (b) चित्रावली
(c) मधुमालती (d) मिरगावत

38. 'अजगर करै न चाकरी, पंछी करै न काम दास मलूका कह गए सबके दाता राम' पंक्ति किस रचनाकार की है?
(a) रैदास (b) कबीर
(c) रामानंद (d) मलूकदास

39. रामावत संप्रदाय का प्रवर्तन किसने किया?
(a) तुलसीदास ने (b) रामानंद ने
(c) मध्वाचार्य ने (d) कबीर ने